

क्षतिग्रस्त एफआरआई भवन की मरम्मत में जुटे विशेषज्ञ

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तरकाशी में साल 1999 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के सभागार समेत मुख्य भवन में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर आयी दरारों की मरम्मत शुरू की गई है।

केंद्रीय वन अनुसंधान संस्थान रुड़की (सीबीआरआई) के विशेषज्ञों की देखरेख में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों द्वारा मरम्मत

की जा रही है। उल्लेखनीय पहलू यह है कि वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरों ने पहले अपने स्तर पर इसकी मरम्मत की कोशिश की, लेकिन जब वे दरारों की मरम्मत नहीं कर पाए तो सीबीआरआई के विशेषज्ञों की मदद ली गई। वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरिंग सेल के प्रमुख आरएस तोपवाल ने बताया कि सीबीआरआई के विशेषज्ञों की टीम ने दरारों का तकनीकी अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया। बताया कि सीबीआरआई विशेषज्ञों की देखरेख में मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

**उत्तरकाशी
में आए
विनाशकारी
भूकंप के
दौरान मुख्य
भवन में
आयी थीं
दरारें**



सूरज की गर्मी से पकाई ईंटों से हुआ था निर्माण

वन अनुसंधान संस्थान का मुख्य भवन वास्तुकला के लिहाज से दुनिया के चुनिंदा भवनों में से एक है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मुख्य भवन को विशुद्ध रूप से सूर्य की गर्मी से पकायी गई ईंटों से बना दुनिया का उत्कृष्ट निर्माण बताया है। दो हजार एकड़ में फैले एफआरआई के निर्माण पर उस समय नब्बे लाख रुपये खर्च किए गए और सात साल में इसका निर्माण पूरा किया गया। सात नवंबर 1929 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने एफआरआई भवन का उद्घाटन किया था। एफआरआई के निर्माण में ग्रीक-रोमन शैली की वास्तुकला का इस्तेमाल किया गया। संस्थान के मुख्य भवन का डिजाइन महान वास्तुकार बिलियन लुटियंस ने तैयार किया था। एफआरआई को पहले इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट एंड कॉलेज के नाम से जाना जाता था।

The Hawk
16-9-2021

Renovation Work Of Historical FRI Building

Dehradun (The Hawk): The main building of Forest Research Institute, Dehradun was constructed in the year 1929. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department, Government of India. After the earthquake in Chamoli, Uttarakhand in the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage etc. is also appearing in it. To deal with these problems Central Public Works Department with the help of C.B.R.I., Roorkee is initiating renovation work.



Garhwal Post

16-9-2021

FRI building to be renovated

**By OUR STAFF
REPORTER**

DEHRADUN, 15 Sep: The main building of the Forest Research Institute, here, was constructed in 1929. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department, Government of India.

After the earthquake in Chamoli in 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage, etc., have also appeared. To deal with these problems,



Central Public Works Department with the help of CBRI, Bhopal, is initiating renovation work on the building.

Punjab Kesari

16-9-2021

एएसआरआई की ऐतिहासिक इमारतों में 1999 के तमोले भूकंप से आई दरहों ठीक करने का काम शुरू, 16.86 करोड़ रुपये खर्च

दो साल में दूर हो जाएंगी शताब्दी पुरानी धरोहर की 'झुर्रियां'



देहरादून, 15. दिल्ली (विशेष
अवस्था) : यह अनुसंधान संस्थान
(एएसआरआई) की करीब एक
शताब्दी पुरानी इमारतों में से एक
बहुतेरे हैं। 1999 के तमोले
भूकंप के दौरान एएसआरआई की
ऐतिहासिक इमारतों में दरहों आ गई
थीं। करीब दो दशक बाद 16.86
करोड़ रुपये की लागत में इनकी
मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

एएसआरआई की मेन इमारत का
निर्माण सन् 1923 में शुरू किया
गया था। सीबीआईएल्टी ने इसे 1929
में तैयार किया। एएसआरआई की आरओ
ऑफिस के लकड़ों को अक्षयरी ब्रेड
लिहें उनका ने कहा कि इमारतों में
दरहों के कारण बिजली, मिलेन अदि
की समस्याएँ पैदा हो रही थीं। अब

इनकी मरम्मत का काम शुरू
किया गया है।

एएसआरआई के डीन विरेंद्र सिंह
के अनुसार आरएस संस्थान ने बताया
कि सीबीआईएल्टी ने सीबीआईएल्टी की
मदद से इमारतों की मरम्मत का काम
शुरू कर दिया है। दिल्ली एक
एनपीएस का काम हो रहा है। सन्
2018 में सीबीआईएल्टी ने इनकी
मरम्मत संबंधी कार्यपत्रिका परामर्श के
लिए सीबीआईएल्टी लकड़ों को भेजी
थी। सीबीआईएल्टी ने सन् 2019 में
अपनी रिपोर्ट दी। पिछले साल इसके
लिए विशेष स्वीकृति मिली। कोविड
की वजह से काम में बाधा पड़ी। अब
यह काम शुरू कर दिया गया
है। अगले दो साल में इसे पूरा कर
लिया जाएगा।

The Pioneer 16-9-2021

Renovation of FRI building begins



PNS ■ DEHRADUN

Renovation work is being started in the historic building of the Forest Research Institute (FRI) here. The main building of FRI was constructed during the year 1929 in Dehradun. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department. According to officials, after the earthquake in

Chamoli, Uttarakhand during the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage and other issues were also being experienced in it.

To deal with these problems the Central Public Works Department with the help of CBRI, Roorkee is initiating renovation work.

Rashtriya Sahara

16-9-2021

ऐतिहासिक इमारत की दरारों को पाटने का 'श्रीगणेश'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
देहरादून।

वास्तुकला के प्राचीन मॉडल वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की ऐतिहासिक इमारत की बिगड़ी सैलत को सुधारने का कार्य शुरू हो गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने सीबीआरआई रुड़की के तकनीकी सहयोग से इमारत पर पड़ी लंबी-चौड़ी दरारों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

यह दरारें पिछले दो दशक से इस ऐतिहासिक इमारत की भव्यता को मुंह चिढ़ा रही थी। यद्यपि एक दशक पहले केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और वन अनुसंधान संस्थान के रखरखाव, अनुसंधान व अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जो अनुदान राशि जारी दी थी उससे भी इन



दरारों को पाटने की बात की गई थी। तब डा. जीएस रावत आईसीएफआई के महानिदेशक पद पर तैनात थे। लेकिन बाद के वर्षों में यह मामला अथर में लटक गया। बताते चले कि देहरादून के चकराता रोड पर स्थित एफआरआई भवन ऐतिहासिक है। इसकी भव्यता देश ही नहीं

विदेशों में भी चर्चित है। सात एकड़ (2.8 हेक्टेयर) भूखंड पर विस्तारित यह इमारत प्राचीन वास्तुकला का अनूठा उदाहरण है। केंद्र सरकार इस ऐतिहासिक भवन को पहले ही राष्ट्रीय संपदा घोषित कर चुकी है। चिंता यह कि पिछले कुछ साल में भवन के हालात जर्जर हुए हैं। बताया जाता है कि वर्ष

100 साल होने जा रही इमारत की उम्र

एफआरआई की मुख्य इमारत ब्रिटिश वास्तुविद् सीजी क्लाम्सफोल्ड द्वारा तैयार किए गए डिजाइन पर निर्मित है। सरदार रणजीत सिंह ने वर्ष 1924 में भवन का निर्माण कराया था। सात एकड़ भूखंड पर विस्तारित 228 मीटर लंबी इमारत तीन ब्लॉक (पूर्वी, पश्चिमी व मध्य ब्लॉक) में विभाजित है। वर्ष 1929 में तत्कालीन वाइसराय लार्ड इरविन ने इस ऐतिहासिक इमारत का उद्घाटन किया था। भारत सरकार ने बाद में इसको राष्ट्रीय संपदा घोषित कर संरक्षित करने का जिम्मा उठाया है। देशदुनिया में यह भवन वास्तुकला का विशिष्ट उदाहरण भी है। छोटे व बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी कई फिल्मों का फिल्मांकन भी यहां पर हुआ है।

1991 व 1999 में आये भूकंप के तेज झटकों ने इमारत की भव्यता को नुकसान पहुंचाया है।

इससे इमारत के मध्य भाग की दीवारों व गुम्बदों में लंबी-चौड़ी दरारें आ गई थी। साथ ही लीकेज, सिलेज आदि की समस्या भी बढ़ती जा रही थी। आईआईटी-सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक भी कई

बार भवन पर पड़ी इन दरारों का निरीक्षण कर चुके हैं। वावजूद इमारत स्थले हिस्से पर पड़ी दरारों को समय पर पाटने की कोशिश नहीं की गई। वहरहाल, अब देर से ही सही पर इस ऐतिहासिक इमारत पर पड़ी दरारों का पाटने का कार्य शुरू हो ही गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग मरम्मत कार्य के लिए सीबीआरआई रुड़की से

■ वर्ष 1991 व 1999 में भूकंप के तेज झटकों से एफआरआई की बिल्डिंग पर आ गई थी कई दरारें

■ पिछले दो दशक से इमारत की भव्यता को मुंह चिढ़ा रही ये दरारें

■ सीबीआरआई रुड़की की तकनीक मदद से सीपीडब्ल्यूडी ने शुरू किया मरम्मत का कार्य

तकनीकी सहयोग प्राप्त कर रहा है। बताया जा रहा है कि रिट्रोफिटिंग तकनीक से इन दरारों को पाटा जाएगा। क्योंकि इस तकनीक में भवन के पुराने व सुरक्षित हिस्से को अधिक नुकसान पहुंचने की संभावना कम रहती है और ना ही भवन पर ज्यादा तोड़फोड़ करनी पड़ती है।